एम.ए. (संस्कृत) वैदिक वाङ्.मय
पूर्वार्ध व उत्तरार्ध परीक्षा

पूर्वार्ध परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र – ऋग्वेद
द्वितीय प्रश्न पत्र – यजुर्वेद
तृतीय प्रश्न पत्र – सामवेद एवं अथर्ववेद
चतुर्थ प्रश्न पत्र– वेदार्थ प्रक्रिया

उत्तरार्ध परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र – ब्राह्मण साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – आरण्यक तथा उपनिषद्
तृतीय प्रश्न पत्र – प्रातिशाख्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र – कल्पसूत्र
प्रचम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य एवं संस्कृति अथवा लघुशोध प्रबन्ध

पूर्वार्ध परीक्षा–2021
प्रथम प्रश्न पत्र – ऋग्वेद

प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

1.	वैदिक सूक्त मंत्रो की व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न	40 अंक
2.	पद पाठ	10 अंक
3.	वैदिक स्वर प्रक्रिया	10 अंक
4.	वैदिक व्याकरण	10 अंक
5.	वृहद्देवता	10 अंक
6.	ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका	
क.	दयानन्द, वेदोत्पत्ति, नित्यत्व एवं वेद–विषय तथा संज्ञा प्रकरण	10 अंक
ख.	सायण (सम्पूर्ण)	10 अंक

पाठ्यक्रम

1. वैदिक सूक्त 40 अंक

निम्नलिखित सूक्त अध्ययन के लिए निर्धारित है। आचार्य सायण, महर्षि दयानन्द, कपालशास्त्री आदि के भाष्यों का ज्ञान आवश्यक है।

ऋग्वेद – 1. अग्नि (1/1), 2. मरूत् (1/85), 3. अस्यवामीय् (1/164), 4. रूद्र (2/33), 5. अपानिपात् (2/35), 6. विश्वामित्र नदी संवाद (3/33), 7 उषस् (4/51), 8. अश्विनी, (7/71) 9. वरूण (7/86), 10. पितर (10/15), 11. वाक् (10/125), 12. पुरूष (10/90), 13. नासदीय (10/129)

नोटः तीन मंत्रों की व्याख्या एवं ऋषि तथा देवता सम्बन्धी प्रश्न पूछे जाएंगे।

2.	पद पाठ – किन्हीं दो मंत्रों का पद पाठ	10 अंक
3.	वैदिक स्वर प्रक्रिया – विभक्ति स्वर, आख्यात स्वर तथा वाक्य स्वर	10 अंक
4.	वैदिक व्याकरण – शब्द, रूप, आख्यातरूप, उपसर्ग	10 अंक

5. वृहद्देवता – प्रथम अध्याय 10 अंक
6. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका – (क) स्वामी दयानन्द 10 अंक
(ख) आचार्य सायण 10 अंक

नोट : समान्य ज्ञान अपेक्षित है। सैद्धान्तिक प्रश्न प्रष्टव्य है।

सहायक ग्रन्थ

1. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
2. ऋग्वेद भाष्य – आचार्य सायण
3. ऋग् भाष्य संग्रह – देवराज चानना
4. भूमिका भास्कर – विद्यानन्द सरस्वती
5. वैदिक व्याकरण – ए.ए. मैक्डानल
6. वैदिक स्वर मीमांसा – पं. युधिष्ठिर मीमासक
7. वैदिक देवता – उद्भव एवं विकास (दो खण्डो) डॉ. गयाचरण त्रिपाठी
8. वैदिक ऋषि – डॉ. कपिल देव शास्त्री
9. Thoushand Syllable Speech - Dr. V.S. Agarwal. (सहस्त्राक्षरा वाक्)
10- Philosophy of Dirgtamal Dr. S.P. Singh

द्वितीय प्रश्न पत्र – यजुर्वेद

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1. शुक्ल यजुर्वेद 2. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका व यजुर्वेदभाष्यभूमिका 3. यज्ञ तत्व प्रकाश
4. यज्ञों का समान्य परिचय

अंक विभाजन

1. शुक्ल यजुर्वेद – अध्याय 1,2,3,9,10 50 अंक

(महर्षि दयानन्द सरस्वती एवं उव्वट, महीधर के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।)
नोट मंत्रो की व्याख्या पृष्टव्य है।

2. (क) ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका – महर्षि दयानन्द
(ब्रह्मविद्या, वेदोक्त धर्म एवं सृष्टि विद्या प्रकरण) 10 अंक
(ख) यजुर्वेदभाष्यभूमिका – सायण 10 अंक

नोटः– सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

3. यज्ञ तत्व प्रकाश –चित्र स्वामी 20 अंक
4. यज्ञों का सामान्य परिचय (सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है) 10 अंक

सहायक ग्रन्थ

1. यजुर्वेदभाष्य – महर्षि दयानन्द
2. ऋग्वेदादिभाष्य – महर्षि दयानन्द
3. भूमिका भास्कर – विद्यानन्द सरस्वती
4. यजुर्वेदभाष्यभूमिका – सायणाचार्य
5. यजुर्वेद एवं सामवेद – कुन्दनलाल शर्मा
6. यज्ञतत्वप्रकाश – चित्र स्वामी
7. यज्ञपरिचय – पं. युधिष्ठर मीमांसक

तृतीय प्रश्न पत्र – सामवेद एवम् अथर्ववेद

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1. गान संहिता
2. सामवेद – भाष्यभूमिका
3. अथर्ववेद
4. सामगान परिचय
5. अथर्ववेद भाष्य भूमिका
6. अथर्ववेद के सूक्तों से सम्बन्धित प्रश्न

अंक विभाजन

1. मान संहिता – पं. सातवेलकर ;ग्राम मेघ गान के प्रथम 10 गानद्ध 20 अंक
2. सामवेद – भाष्यभूमिका – सायण 10 अंक
3. सामगान परिचय (परिभाषिक पदावलिः) 10 अंक
4. अथर्ववेद –1 मेघाजनन (1/1), 2. अपभेषजम् (1/5), 3. राज्ञःचयनम्,
4. वाणिज्य (3/15) 5. कृषि (3/17), 6. साम्मनस्य (3/30), 7. अनड्वान (4/11), 8. राष्ट्रभाषा (7/12), 9. ब्रह्म (10/2), 10. ब्रह्मचारी (11/15), 11. ई भूमि (12) विवाह (14/1), 13. विवाह (14/2) 14. व्रात्य (15) 30 अंक
5. अथर्ववेद भाष्यभूमिका – सायण 15 अंक
6. सूक्तों से सम्बद्ध समालोचनात्मक प्रश्न 15 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. सामगान : उद्गीत व व्यवहार एवं सिद्धान्त – डॉ. पंकज शर्मा
2. अथर्ववेद का सुबोध भाष्य – दामोदर सातवलेकर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – वेदार्थ प्रक्रिया

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1. निरुक्त (यास्क)
2. ब्राह्मण ग्रन्थों में निरूक्ति प्रक्रिया
3. वेद भाष्यकार (प्राचीन, मध्ययुगीन)
4. आधुनिक भाष्यकार
5. पाश्चात्य भाष्यकार

अंक विभाजन

1. निरूक्त : यास्क प्रणीत – आचार्य छज्जूराम शास्त्री कृत व्याख्या 40 अंक
2. शतपथ ब्राह्मण आदि की प्रसिद्ध निरूक्तियॉ 10 अंक
3 वेद भाष्यकार : स्कन्द स्वामी, उद्गीथ आत्मानन्द, वेंकटमाधव, सायण, उव्वट महीधर 20 अंक

नोटः परिचय एवं व्याख्या पद्धति से सम्बन्धित प्रश्न

4. आधुनिक भाष्यकार 20 अंक
   स्वामी दयानन्द, अरविन्द, मधुसूदन, ओझा तथा पं. दामोदार सातवलेकर
5. पाश्चात्य भाष्यकार 10 अंक
   विल्सन, मैक्समूलर, रॉथ, मैक्डॉनल, ग्रासमैन, ग्रिफिथ

सहायक ग्रन्थ

1. वेदार्थ प्रक्रिया – डॉ. रामगोपाल
2. वेदों का यथार्थ स्वरूप – पं. धर्मदेव विद्यामार्तण्ड
3. वैदिक वाड्.मय का इतिहास – पं. भगवद्दत्त
4. वेदव्याख्या – पद्धतियाँ – डॉ. सुधीर कुमार गुप्त

उत्तरार्ध परीक्षा– 2022
वैदिक वाड्.मय

इस परीक्षा में पॉच प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र के (लघु शोध प्रबन्ध को छोड़कर) 20 अंक संस्कृत भाषा में उत्तर प्रस्तुत करने के लिए सुरक्षित है। प्रश्न–पत्र संस्कृत में बनाया जाएगा।

प्रथम प्रश्न पत्र – ब्राह्मण–साहित्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1. शतपथ ब्राह्मण
2. ऐतरेय ब्राह्मण
3. गोपथ ब्राह्मण
4. जैमिनीय ब्राह्मण

अंकविभाजन

1.	शतपथ ब्राह्मण (तृतीय काण्ड)	25 अंक
2.	ऐतरेय ब्राह्मण (प्रथम अध्याय तथा 33 वें अध्याय का हरिश्चन्द्रोपाख्यान)	25 अंक
3.	गोपथ ब्राह्मण (पूर्व भाग– प्रथम, द्वितीय प्रपाठक)	25 अंक
4.	जैमिनीय ब्राह्मण (प्रथम अध्याय – अग्निहोत्र प्रकरण मात्र)	25 अंक

नोटः उपर्युक्त ब्राह्मण ग्रन्थों से व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य हैं।

सहायक ग्रन्थ

1. ब्राह्मणोद्धारकोश – विश्वेश्वरानन्द शोध–संस्थान, होशियारपुर
2. ब्राह्मणग्रन्थों में सृष्टि विचार – डॉ. नित्यानन्द शुक्ल
3. ऐतरेयब्राह्मणम् – डॉ सुधाकर मालवीय
4. गोपथ – ब्राह्मण – भाष्यम् – आचार्य डॉ. प्रज्ञा देवी

द्वितीय प्रश्न पत्र – आरण्यक तथा उपनिषद्

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1.	ऐतरेय आरण्यक	25 अंक
2.	तैत्तिरीय आरण्यक	25 अंक
3.	वृहदाण्यकोपनिष्द् की विषय वस्तु का सामान्य अध्ययन	25 अंक
4.	छान्दोग्योपनिषद्	25 अंक

अंक विभाजन

1.	ऐतरेय आरण्यक (द्वितीय आरण्यक)	25 अंक
2.	तैत्तिरीय आरण्यक (सप्तम प्रपाठक)	25 अंक
3.	वृहदारण्यकोपनिषद् की विषयवस्तु का सामान्य अध्ययन विषयक प्रश्न	25 अंक
4.	छान्दोग्योपनिषद् (सम्पूर्ण)	25 अंक

नोटः सभी ग्रन्थों से व्याख्या एवं सैद्धान्तिक प्रश्न पृष्टव्य है।

सहायक ग्रन्थ

1. वैदिक विचारधारा का वैज्ञानिक आधार–विद्यामार्तण्ड प्रो. सत्यव्रत सिद्धान्तालड्.कार
2. Upanisadic Symbolism - Dr. S.P. Singh
3- The Philoshopy of Veda & Upanishads - A.B. Kieth

तृतीय प्रश्न पत्र – प्रातिशाख्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1. ऋग्वेद–प्रातिशाख्य
2. शुक्ल यजुर्वेद – प्रतिशाख्य
3. सूर्यसिद्धान्त
4. पणिनीय शिक्षा
5. वैदिक छन्दोमीमांसा

अंक विभाजन

1.	ऋग्वेद–प्रातिशाख्य (1–3)	30 अंक
2.	शुक्ल यजुर्वेद – प्रतिशाख्य (1–3 अध्याय)	30 अंक
3.	सूर्यसिद्धान्त (मध्यमाधिकार–12, 13, 14 अध्याय)	20 अंक
4.	पापिनीय शिक्षा (सम्पूर्ण)	10 अंक
5.	वैदिक छन्दोमीमांसा	10 अंक
	कुल	100 अंक

सहायक ग्रन्थ

1.	ऋग्वेद–प्रातिशाख्य	–	डॉ. वीरेन्द्र कुमार वर्मा
2.	शुक्ल यजुर्वेद – प्रातिशाख्य	–	डॉ. वीरेन्द्र कुमार वर्मा
3.	सूर्यसिद्धान्त	–	म.स. सुधारकर द्विवेदीकृत व्याख्या
4.	पणिनीय शिक्षा	–	पं. युधिष्ठर मीमांसक
5.	वैदिक छन्दोमीमांसा	–	पं. युधिष्ठिर मीमांसक
6.	वर्ण समीक्षा	–	पं. मधुसूदन ओझा

चतुर्थ प्रश्न पत्र – कल्पसूत्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1. कात्यायन श्रौत सूत्र
2. पारस्कर गृह्य सूत्र
3. आश्वलायन श्रौतसूत्र
4. आपस्तम्ब धर्म सूत्र

अंक विभाजन

1.	कात्यायन श्रौत सूत्र (1–2 अध्याय)		25 अंक
2.	पारस्कर गृह्य सूत्र	(प्रथम अध्याय, कण्डिका 1–2)	25 अंक
3.	आश्वलायन श्रौतसूत्र	(प्रथमाध्याय)	25 अंक
4.	आपस्तम्ब धर्म सूत्र	(सम्पूर्ण)	25 अंक

नोटः सूत्रों व श्लोकों की व्याख्या, परिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी तथा सम्बद्ध विषयों पर सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

सहायक गन्थ

1. गृह्यमंत्र और उनका विनियोग – डॉ. कृष्णलाल

पंचम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य एवं संस्कृति

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

नोट– प्रश्न पत्र संस्कृत में बनेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

1.	वैदिक साहित्य के सिद्धान्त	40 अंक
2.	वैदिक धर्म	15 अंक
3.	वैदिक संस्कृति	15 अंक
4.	वैदिक दर्शन	15 अंक
5.	वैदिक धर्म दर्शन	15 अंक

सहायक ग्रंन्थ

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – डॉ. बलदेव उपाश्याय
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति – डॉ. वाचस्पति गैरोला,
3. वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति – गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
4. सार्वभौम वैदिक धर्म – दयानन्द वैदिक शोधपीठ, अजमेर
5. वैदिक योग सूत्र – पं. हरिशंकर जोशी
6. सत्यार्थप्रकाश – स्वामी दयानन्द
7. वेदों में भारतीय संस्कृति – पं. आद्यादत्त ठाकुर
8. Philosophy of Veda and Upanisada - A.B. Keath
9- Vedic Index
10 Vedic Mythology - A.A. MacDonell
11 Vedic Cosmogony - Dr. B.R. Yadav
12 The Fountain Head of Vedic Religion - Pt Ganga Prasad

अथवा

पंचम प्रश्न पत्र

वैदिक विषयों से सम्बन्धित लघु शोध प्रबन्ध : 100 अंक (नियमित विद्यार्थियों के लिए)